www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 347 || लखनऊ
मंगलवार
24 मार्च 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

मौसम
सूर्योदय: 06:04
सूर्यास्त: 06:20
अधिकतम: 31°00
न्यूनतम: 19°00

पेज 03

विशेष समाचार
पश्चिम बंगाल का भवानीपुर बना ... >> पेज 02
डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का ... >> पेज 04
40 की हुई कंगना रनोट...

खाद्य, ऊर्जा समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली मंजूरी

37 प्रस्तावों पर मुह, 30 मार्च से शुरू होगी गेहूं खरीदी

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

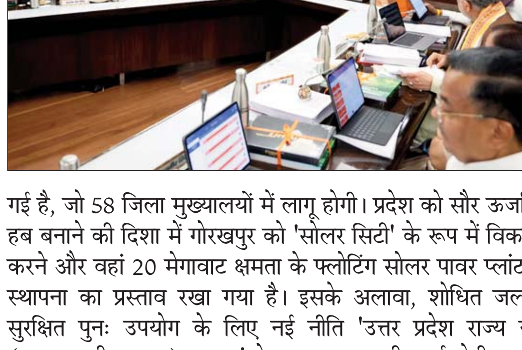

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में खाद्य, ऊर्जा और नगर विकास विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 प्रति क्विंटल तय किया है, जो पिछले वर्ष से 160 अधिक है। गेहूं खरीद 30 मार्च से 15 जून 2026 तक 6500 केंद्रों पर की जाएगी। ऊर्जा क्षेत्र में घाटमपुर पावर प्लांट के लिए कोल माइन विकास हेतु 2242.90 करोड़ स्वीकृत हुए। वहीं गोरखपुर में 20 मेगावॉट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा। नगर विकास के तहत "नवयुग पालिका योजना" को भी मंजूरी दी गई है, जो 58 जिला मुख्यालयों में लागू होगी। प्रदेश को सौर ऊर्जा का हब बनाने की दिशा में गोरखपुर को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने और वहां 20 मेगावाट क्षमता के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा, शोधित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग के लिए नई नीति 'उत्तर प्रदेश राज्य नीति (एस.आर.टी.डब्ल्यू.)-2026' के प्रख्यापन पर भी चर्चा होगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

> नगर विकास विभाग ने 'नवयुग पालिका योजना' को भी हरी झंडी दी। इस योजना के तहत 58 जिला मुख्यालयों में व्यापक स्तर पर नगर विकास और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जाएगा।

गेहूं के एमएसपी संग उतराई-सफाई का भी मिलेगा पैसा

कैबिनेट बैठक में 39 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 37 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है, बैठक का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु प्रदेश के किसान रहे। सरकार ने आगामी रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं खरीद की नीति स्पष्ट कर दी है, जिससे अन्नदाताओं की आय में सीधा इजाफा होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कैबिनेट बैठक के बाद किसानों से जुड़े फैसले के बारे में जानकारी दी।

शोधित जल और नई नीति

बैठक में राज्य नीति (एस.आर.टी.डब्ल्यू.)-2026 पर भी चर्चा हुई। यह नीति शोधित जल के सुरक्षित पुनः उपयोग और जल प्रबंधन में सुधार को लेकर बनाई गई है। कैबिनेट बैठक में शामिल अधिकारियों ने बताया कि इन प्रस्तावों से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन, नगर विकास और पर्यटन क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय प्रदेश के समग्र विकास और आर्थिक स्थिरता के लिए निर्णायक साबित होंगे।

कैबिनेट ने लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों को भी संरक्षण देने का निर्णय लिया। रोशन-उद-दौला और छतर मंजिल जैसी इमारतों को पीपीपी मॉडल (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) के तहत 'हेरिटेज पर्यटन इकाई' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव पर्यटन विभाग को सौंपा गया।

सिलेंडर में केवल 10 किलो गैस दे सकती हैं कंपनियां

एलपलजी किल्लत के बीच कंपनियों का मास्टर प्लान

विचार

तमसा संकेत, एजेंसी

ईरान वॉर के चलते घरेलू मार्केट में LPG की किल्लत देखने को मिल रही है। LPG के संकट से निपटने के लिए सरकारी तेल कंपनियां एक मास्टर प्लान पर विचार कर रही हैं। सरकारी कंपनियां घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर में केवल 10 किलोग्राम LPG की सप्लाई करने पर विचार कर रही हैं। इंडस्ट्री एग्जिक्यूटिव्स के मुताबिक, ईरान वॉर के बीच घरेलू इनवेंटरी में कमी और इंपोर्ट में गिरावट आई है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

अपनी एलपीजी जरूरत का 60% आयात करना है भारत

कोई भी नया शिपमेंट्स खाड़ी देशों से भारत के रास्ते में नहीं है। केवल 2 करियर्स कंबाइंड 92,700 टन ला रहे हैं। भारत का रोजाना का LPG यूज 93,500 टन का है, जिसका 86% या 80,400 टन घरों में इस्तेमाल होता है। मार्च के शुरुआती 15 दिन में ओवरऑल खपत 17 पर्सेंट घटी है।

फास्ट न्यूज़

कांग्रेस का बीआरआईसी + समिट को लेकर पीएम से सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि वेस्ट एशिया संकट से निपटने के लिए BRICS+ समिट को आगे क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा। पार्टी का आरोप है कि मोदी अमेरिका और इजराइल को नाराज नहीं करना चाहते। ऐसे में सरकार को वेस्ट एशिया संकट पर कूटनीतिक पहल के लिए इस मंच का इस्तेमाल करना चाहिए।

फरीदाबाद में पाकिस्तानी जासूस अरेस्ट

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले गैंग के मेंबर नौशाद अली उर्फ लालू को गाजियाबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नौशाद पेट्रोल पंप पर तीन महीने से पंचर बनाने की दुकान चला रहा था। नौशाद रेलवे स्टेशन, सुरक्षा बलों के फोटो वीडियो बनाता था और उसे व्हाट्सएस ग्रुप्स के जरिए पाकिस्तान भेजने का काम करता था। इसके लिए एक फोटो पर उसे 4 से 6 हजार रुपए मिलते थे। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि अभी तक इसमें गैंग के सरगना मेरठ के सुहेल सहित 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस ने नौशाद के अलावा औरंगाबाद की मीरा को अरेस्ट किया है।

बेकाबू कैंटर ने 7 लोगों को रौंदा

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में सोमवार की दोपहर एक कैंटर ने सात लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में जीजा-साले समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार की वजह से हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की शुरुआत मामा चौक से हुई। पहले टैंकर ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को कुचला।

एससी बिल्डिंग पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने की मांग, याचिका खारिज

सीजेआई बोले- यह मामला न्यायिक नहीं, प्रशासनिक स्तर पर देखा जाएगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह मामला न्यायिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर विचार का विषय है। यह याचिका बदरवाड़ा वेणुगोपाल उर्फ बरा खतरनाक की तरफ से दायर की गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। CJI ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नई बिल्डिंग बन रही है और इस मुद्दे पर उस समय विचार किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने मौजूदा भवन पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने की मांग की। इस पर कोर्ट ने आश्वासन दिया कि इसके बारे में सोचा जाएगा, लेकिन ऐसे मामलों को याचिका के जरिए नहीं उठाया जाना चाहिए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वे इस मामले को लेकर प्रशासनिक स्तर पर लिखित अपील करें। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने मई 2025 में इस मुद्दे पर लेटर लिखा था, जिस पर नवंबर 2025 में जवाब मिला था कि सुप्रीम कोर्ट अपना अलग प्रतीक इस्तेमाल करता है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि वह जवाब उनके कार्यकाल से पहले का है और अब इस पर विचार किया जाएगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

मोदी 100% ट्रम्प के कंट्रोल में हैं : राहुल

दावा किया- मोदी ने ट्रम्प से कहा कि बिना पूछे किसी से तेल नहीं खरीदेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वडोदरा। राहुल गांधी ने सोमवार को वडोदरा में कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 25 मिनट का भाषण दिया है लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। मोदी 100% ट्रम्प के कंट्रोल में हैं। मोदी पार्लियामेंट में डिबेट नहीं कर सकते, क्योंकि कम्प्रोमाइज्ड हैं। अमेरिका में अडाणी पर जो केस है असल में वो नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए है। अमेरिका का नरेंद्र मोदी को सीधा मैसेज है कि ज्यादा ऊटपटांग हरकत की तो समझ लेना। ट्रम्प ने साफ कहा है- मैं मोदी का करियर खत्म कर सकता हूं। नरेंद्र मोदी ने ट्रम्प से कहा- हम आपसे पूछे बिना किसी से तेल और नेचुरल गैस नहीं खरीदेंगे। अगर ट्रम्प कहेंगे कि रूस, ईरान, वेनेजुएला से तेल नहीं खरीदना है।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल गांधी सोमवार को वडोदरा में आदिवासी अधिकार संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए।

बातचीत के बाद फैसला, ईरान बोला- राष्ट्रपति तेल कीमत घटाने के लिए गुमराह कर रहे

ईरानी पावर प्लांट्स पर 5 दिन हमला नहीं करेंगे : ट्रम्प

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है। दरअसल ट्रम्प ने दो दिन पहले ईरान को धमकी दी थी कि अगर 48 घंटे में होर्मुज रूट नहीं खोला गया तो वो ईरान के पावर प्लांट पर बड़ा हमला करेंगे। वहीं, ईरान ने दावा किया है कि ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प एनर्जी की कीमतें कम करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, "कई देश तनाव कम करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारा साफ कहना है कि हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इसलिए इस बारे में बात अमेरिका से की जानी चाहिए" ईरान के सरकारी वीडियो में जमीन के नीचे बने ठिकाने में कई मिसाइलें दिखाई गई हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि जो दिखाया गया है, वह उसकी पूरी ताकत नहीं, बल्कि थोड़ी सी एक झलक है। गौरतलब है कि बुशेहर ईरान का एकमात्र चालू न्यूक्लियर पावर प्लांट है, जिसे रूस की मदद से बनाया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

> ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प के मुताबिक, यह फैसला ईरान के साथ चल रही बातचीत के सकारात्मक रुख को देखते हुए लिया गया है और इस दौरान वार्ता आगे भी जारी रहेगी। ट्रम्प ने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा सकता है।

रूस बोला- जंग को बातचीत के जरिए खत्म करना चाहिए

रूस ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर कहा है कि इसका समाधान सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से होना चाहिए। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए अब बातचीत की दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी है। यही एकमात्र तरीका है।

ईरान के बुशेहर न्यूक्लियर प्लांट को लेकर रूस और आईएईए ने बात की

ईरान के बुशेहर न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) और रूस के बीच बातचीत हुई है। IAEA प्रमुख राफेल ग्रोसी ने रूस की न्यूक्लियर एजेंसी रोसाटॉम के प्रमुख अलेक्सी लिखाचेव से फोन पर इस मुद्दे पर चर्चा की।

अमेरिका ने ईरान के पावर प्लांट्स पर 5 दिन के के लिए हमले टाले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के पावर प्लांट्स और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले हमलों को फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिनों से चली बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि रक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए रोक दिया जाए। ट्रम्प के मुताबिक, यह फैसला ईरान के साथ चल रही बातचीत के सकारात्मक रुख को देखते हुए लिया गया है।

इजराइल ने लेबनान के लितानी नदी पर मौजूद अल-कासमिया ब्रिज को उड़ा दिया। इसकी वजह से दक्षिणी लेबनान का उत्तरी लेबनान से संपर्क टूट गया।

ईरान ने इजराइल और यूएस बेस पर 76वीं बार हमला किया

ईरान ने कहा है कि उसने इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ 76वीं बार जवाबी हमला किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के मुताबिक, इनमें अल धफरा एयरबेस, प्रिंस सुल्तान एयरबेस और US फिफ्थ फ्लीट जैसे अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। IRGC ने कहा कि इन हमलों में कियाम और जुल्फिकार मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, इजराइल के तेल अवीव, हाइफा, अश्केलोन और गुश डान इलाके भी निशाने पर रहे।

पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र जंग रोकने के लिए बातचीत कर रहे

तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों के अधिकारियों ने अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से अलग-अलग बातचीत की है। साथ ही, पिछले दो दिनों से ये देश अमेरिका और ईरान के बीच मैसेज पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं, ताकि हालात शांत किए जा सकें और तनाव कम हो।

मिस्र ने लेबनान में इजराइली हमलों की निंदा की

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने लेबनान में इजराइली हमलों की निंदा की है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि लेबनान के इंफ्रास्ट्रक्चर को जानबूझकर निशाना बनाना इजराइल की खराब नीति को दर्शाता है। मिस्र ने आरोप लगाया कि इजराइल सुनियोजित और लगातार हमले कर रहा है, जिनमें दक्षिणी लेबनान में लितानी नदी पर बने पुलों को भी निशाना बनाया गया है। भारत में LPG की भारी कमी को देखते हुए ये टैंकर अहम माने जा रहे हैं, हालांकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक चार जहाज मिलकर भी सिर्फ 2–3 दिन की खपत पूरी कर पाएंगे।

बयान : नागरिक-एनर्जी ठिकानों पर हमले का विरोध किया, कहा- 41 देशों से तेल-गैस इंपोर्ट कर रहे

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर : मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है। पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होर्मुज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। पीएम ने कहा- 'सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।' उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं। पवन खेड़ा ने कहा- देश के 50% घरों में आज सिलेंडर की कमी है। जो सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, उसे 10 किलो कर दिया गया है। बड़े-बड़े इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर हैं। देश का कोई कोना नहीं बचा जिसने गुलाम की गलतियों की खामियाजा नहीं भुगता।

>> (शेष पेज 04 पर)

मोदी ने कहा- न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा

पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में देश में अपने सोलर पावर कैपिसिटी 140 गीगा वॉट तक पहुंचाई है। 40 लाख रूफ टॉप सोलर पैनल लगे हैं। गोवर्धन योजना के तहत 200 बायोगैस प्लांट काम कर रहे हैं। सरकार ने भविष्य की तैयारी बढ़ाते हुए शांति एप माध्यम से न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया है। अगले 5 साल में 1500 मेगावॉट नई हाइड्रो पावर कैपिसिटी जोड़ी जाएगी।

> पीएम मोदी ने कहा कि हम जानते हैं एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है। ग्लोबल नीड को पूरा करने वाला सोर्स वेस्ट एशिया है। भारत पर इस युद्ध से उत्पन्न दुष्प्रभाव का असर कम हो इसके लिए एक रणनीति से काम कर रहे हैं। जहां भी जरूरत है उस सेक्टर को जरूरी सपोर्ट दिया जा रहा है। भारत सरकार ने एक ग्रुप बनाया है जो हर रोज मिलता है।

पवन खेड़ा बोले- पीएम में खामेनेई की हत्या पर शोक जताने की हिम्मत नहीं थी

पवन खेड़ा ने कहा- देश के 50% घरों में आज सिलेंडर की कमी है। जो सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, उसे 10 किलो कर दिया गया है। बड़े-बड़े इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर हैं। देश का कोई कोना नहीं बचा जिसने गुलाम की गलतियों की खामियाजा नहीं भुगता।

अगर गुलाम साहेब और बीवी की गुलामी नहीं करता तो स्ट्रेट ऑफ होर्मूज हमारे लिए बिना रुकावट के लिए खुला रहता। हमें उनकी शर्तें नहीं माननी पड़ती। खेड़ा ने दावा किया कि ईरान 8 देशों के साथ नेगोशिएट कर रहा है। उन 8 देशों में भारत भी है जो चीन की करेंसी युआन खर्च करके तेल खरीदेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा- PM में जंग शुरू होने पर निंदा करने की हिम्मत नहीं थी। खामेनेई की हत्या पर शोक के दो शब्द नहीं निकले।

भाजपा 27 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कांग्रेस की केरल भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग

बंटवारा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/गुवाहाटी/कोलकाता। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) में सोमवार को सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा 234 सीटों में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रही AIADMK 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं पट्टाली मक्कल काची (PMK) को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (AMMK) को 11 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि चंद्रशेखर के पास कोरमंगला में 49,000 स्क्वॉयर फीट का करीब 200 करोड़ रुपए का बंगला है, जिसकी जानकारी हलफनामें में छिपाई है। असम कांग्रेस प्रेसिडेंट गौरव गोगोई ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में नफरत भरी पॉलिटिक्स ने जड़ें जमा ली हैं और कहा कि लोग इससे तंग आ चुके हैं। असम में सोमवार को नामांकन जमा करने के आखिरी दिन सभी पार्टियों के प्रत्याशियों, मंत्रियों, पूर्व सांसदों ने नॉमिनेशन किया। सीनियर कांग्रेस लीडर वीडी सतीशन ने सोमवार को अपना नॉमिनेशन फाइल किया और आरोप लगाया कि CPI (M) और BJP ने केरल की कई सीटों पर चुनावी डील की है।

>> (शेष पेज 04 पर)

पांच राज्यों में चुनाव से जुड़े 5 बड़े अपडेट्स

- पश्चिम बंगाल में आज सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट जारी हो सकती है। SIR के दौरान 'अंडर एडजुडिकेशन' में रखे गए करीब 63 लाख वोटरों में से 27 लाख के मामलों का वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।
- असम चुनाव के लिए कांग्रेस ने 7 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। पार्टी 101 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है।
- पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में भगवान राम की मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया।
- असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM पार्टी पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (AJUP) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी।
- पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) ने 30 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की।

सम्पादकीय

पत्रकारों के साथ अपराधियों जैसा सलूक

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार शाम समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज़ ऑफ़ इंडिया (यूएनआई) के 9 रफ़ी मार्ग स्थित कार्यालय को कथित तौर पर भूमि आवंटन की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में सील कर दिया। देश की सबसे पुरानी समाचार एजेंसी के साथ दिल्ली पुलिस ने जो सलूक किया, उस पर लोकतंत्र के पक्षधर नागरिक चिंता व्यक्त कर रहे हैं। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड, वीमेंस प्रेस क्लब समेत कुछ पत्रकार संगठनों ने भी इसकी निंदा की है और अलग-अलग दलों के कुछ नेताओं ने पुलिस के रवैये पर सवाल उठाए हैं। लेकिन इस खबर पर जो व्यापक हलचल मचनी चाहिए थी, वो कहीं नजर नहीं आ रही। इससे समझ आता है कि अब हम शायद जागरुक समाज नहीं रहे, और काफी हद तक संवेदनहीन, आत्मकेन्द्रित हो चुके हैं। तभी तो बड़ी से बड़ी घटनाएं भी हमें विचलित नहीं करतीं। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं, बच्चों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की कई खबरें आती हैं और समाज उन्हें सरसरी निगाह से देखकर टाल देता है कि ये सब तो होता ही रहता है। अत्याचार तो पहले भी होते रहे हैं, तब पत्रकार इन्हें उजागर करना अपना दायित्व समझते थे।दैनिक समाचार बुलेटिन क्योंकि जब तक समाज की बुराइयों को सामने नहीं लाया जाएगा, तब तक उनका खात्मा करने के तरीके भी नहीं तलाशे जा सकते। लेकिन अब मीडिया भी उन्हीं खबरों को तरजीह देता है, जो वायरल हों, जिनके कारण टीआरपी बढ़े या लाइक्स और कमेंट्स ज्यादा मिले। यही वजह है कि पहले कुंभ मेले में एक सुंदर युवती मोनालिसा चर्चा में आई, फिर उसके अभिनेत्री बनने की खबरें खूब चलीं और अब उसने विवाह कर लिया तो उस पर भी प्रेस कांफ्रेंस हो गई कि उसने जिस व्यक्ति से विवाह किया, उसका धर्म क्या है और यह सही है या नहीं। सोचिए मीडिया ने अपनी प्राथमिकताओं को किस गर्त में पहुंचा दिया है कि दो बालिग आपसी रजामंदी से विवाह करें तो वह उनकी हेडलाइन्स बन जाती है। इस माहौल में यूएनआई का दफ्तर सील करना और वहां मौजूद पत्रकारों से बदसलूकी आम खबर की तरह आई और चली भी गई। गौरतलब है कि दिल्ली में संसद भवन के पास 9 रफ़ी मार्ग पर लगभग 5,289.52 वर्ग मीटर ज़मीन दशकों पहले यूएनआई को सरकार ने लीज़ पर दी थी। इस जमीन की अनुमानित क़ीमत मौजूदा दर 7.74 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से करीब 409 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार ने यह जमीन संयुक्त कार्यालय परिसर विकसित करने के यूएनआई को दी थी, लेकिन कम से कम 40 साल बीतने के बाद भी वहां कोई निर्माण नहीं हुआ। सरकार का कहना है कि यूएनआई कार्यालय का निर्माण नहीं कर सका, जो आवंटन पत्र में तय शर्तों का उल्लंघन है। जिसके बाद आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत आने वाले लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफ़िस ने 12 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 29 मार्च 2023 को आवंटन रद्द कर दिया था। न्यूज़ एजेंसी ने इस रद्दीकरण को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने वित्तीय कमी और लंबित मंजूरियों को देरी का कारण बताने वाले उसके तर्कों को ख़ारिज कर दिया। अदालत ने माना कि चार दशकों से अधिक समय तक भवन का निर्माण न करना आवंटन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन है। शुक्रवार को ही यह फैसला आया और इसी शाम को ही कुछ वकील और दिल्ली पुलिस भारी दलबल के साथ परिसर पहुंच गए। अदालत का फैसला और उसके मुताबिक कानूनी कार्रवाई तो सही है, लेकिन यहां असली सवाल पुलिस के रवैये का है। जिस तरह एक मीडिया संस्थान से कर्मचारियों को निकाला गया, वैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो आए हैं, जिनमें यूएनआई परिसर में बड़ी तादाद में पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं और पत्रकारों-कर्मचारियों से दफ़्तर खाली करने को कह रहे हैं। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि दफ़्तर खाली कराने में क़ानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया और कुछ भी ग़लत नहीं हुआ, क्योंकि पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई थी। लेकिन यूएनआई ने अपनी पोस्ट में एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उसके दफ़्तर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नज़र आ रहे हैं और कर्मचारी आरोप लगा रहे हैं कि उनके साथ धक्का-मुक्की हो रही है। यूएनआई के कुछ कर्मियों ने बताया कि शाम को कुछ वकील और अधिकारी बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अन्य बलों के साथ यूएनआई के दफ़्तर पहुंचे। शाम 6 से 6.30 बजे के बीच प्रशासनिक कार्यालय बंद हो चुका था, ये सभी लोग सीधे न्यूज़ रूम में घुस गए जहां उर्दू और हिंदी सर्विस है। रोज़ा इफ़्तार का समय था तो उर्दू सर्विस के कुछ लोग बाहर गए थे। अधिकारियों ने आते ही कहा कि आप अपने कम्प्यूटर तुरंत बंद कीजिए क्योंकि आपका लीज़ कैंसिल हो गया है और आपको तुरंत बाहर निकलना चाहिए, पांच मिनट, दस मिनट, सात मिनट...इस तरह वो काउंट डाउन करने लगे। उन्होंने मोबाइल पर पढ़कर आदेश सुनाया कहा कि आपको यह कार्यालय तुरंत खाली करना पड़ेगा क्योंकि इसे सील करवाना है। कर्मियों का कहना है कि हमें ज़बरदस्ती धकेला गया, महिला कर्मचारियों को खींचा गया। इस तरह से किसी समाचार संगठन को बंद करने की शायद यह पहली घटना है, लेकिन क्या आखिरी भी होगी, यह मीडिया संस्थानों और समूचे प्रेस जगत को सोचना होगा। कर्मचारियों को बाहर निकालने के बाद यूएनआई दफ्तर का गेट सील कर उसके बाहर एक नोटिस चिपकाया गया है। जिसमें लिखा है, 'लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफ़िस की बिना इजाज़त के इस परिसर में किसी भी व्यक्ति का किसी तरह का प्रवेश, कब्ज़ा या इसका इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसके उल्लंघन पर क़ानून के तहत कार्रवाई होगी।'

पश्चिम बंगाल का भवानीपुर बना आगामी विधानसभा चुनावी रण का मैदान

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उसी मुकाबले की ओर बढ़ती दिख रही है जिसने 2021 के विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे चर्चित बना दिया था. मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के सामने एक बार फिर खड़े हैं उनके पूर्व सहयोगी से सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बने सुवेंदु अधिकारी, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लड़ाई नंदीग्राम में नहीं बल्कि कोलकाता के सबसे प्रतिष्ठित और राजनीतिक रूप से संवेदनशील विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में हो रही है. साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट को सिर्फ एक सामान्य सीट नहीं, बल्कि पूरे चुनाव की दिशा तय करने वाली सीट माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुकाबला सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि बंगाल की सत्ता की प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है. बहरहाल इस बार भवानीपुर का मुकाबला महज एक सीट की जंग नहीं, बल्कि बंगाल की सबसे बड़ी 'सियासी डर्बी'(कोलकाता की दो मशहूर कट्टर प्रतिद्वंद्वी टीम मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच होने वाले मैच को 'कोलकाता डर्बी' कहा जाता है।) बन चुका है। पश्चिम बंगाल की राजनीति के लगातार बदलते परिदृश्य में भवानीपुर जैसी कुछ ही सीटें हैं, जिनके साथ इतिहास और प्रतीकात्मक महत्व इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि वह राजनीतिक सफर है जो राज्य में कांग्रेस के लंबे प्रभुत्व से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उभार तक के बदलाव को साफ तौर पर दर्शाता है। आज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ मानी जाने वाली भवानीपुर सीट हमेशा से तृणमूल कांग्रेस की पहचान नहीं रही। आजादी के बाद दशकों तक दक्षिण कोलकाता की यह सीट कांग्रेस का मजबूत गढ़ थी और राज्य के कई प्रभावशाली नेताओं का राजनीतिक आधार रही। कई वर्षों तक यह सीट कांग्रेस के प्रभाव में रही, जबकि

> पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे ने इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में और बाद में निर्दलीय के तौर पर चुनाव जीता। कांग्रेस के अन्य दिग्गज नेताओं जैसे मीरा दत्ता गुप्ता और रथिन तालुकदार ने भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया, जिससे भवानीपुर कांग्रेस का प्रमुख शहरी गढ़ बन गया।

वामपंथी दल उस समय केवल 1969 में थोड़े समय के लिए यहां जीत हासिल कर सके, जब इस सीट का नाम बदलकर कालीघाट विधानसभा क्षेत्र कर दिया गया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता साधन गुप्ता ने बांग्ला कांग्रेस और माकपा की संयुक्त मोर्चा की दूसरी सरकार के दौरान यह सीट जीती। वह 1953 में भारत के पहले दृष्टिहीन सांसद बने थे। भवानीपुर की राजनीतिक यात्रा ने तब अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जब यह सीट 1972 में परिसीमन के बाद चुनावी नक्शे से ही गायब हो गयी। लगभग चार दशकों तक यह सीट केवल राजनीतिक स्मृतियों में ही बनी रही। जब 2011 के परिसीमन के दौरान यह सीट दोबारा अस्तित्व में आयी, तब पश्चिम बंगाल की राजनीति भी बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही थी। उसी वर्ष वाम मोर्चा के 34 साल के शासन का अंत हुआ और ममता बनर्जी का दौर शुरू हुआ। नए सिरे से बनी भवानीपुर सीट जल्द ही तृणमूल के उभार से जुड़ गई। बनर्जी ने 2011 के पहले चुनाव में अपने करीबी सहयोगी सुब्रत बक्शी को इस सीट से उम्मीदवार बनाया। बक्शी ने 64 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर माकपा के नारायण जैन को करीब 50,000 वोट से हराया और भवानीपुर को तृणमूल का मजबूत गढ़ बना दिया। इसके बाद बक्शी ने सीट छोड़ दी ताकि तृणमूल की भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री बनीं ममता बनर्जी उपचुनाव के जरिए विधानसभा में प्रवेश कर सकें। बनर्जी ने करीब 77 प्रतिशत वोट हासिल कर माकपा की नंदिनी मुखर्जी को 54,000 से अधिक मतों से हराया और भवानीपुर में अपना मजबूत राजनीतिक आधार स्थापित किया। तब से यह सीट तृणमूल के कब्जे में बनी हुई है। कोलकाता के महापौर और मंत्री फिरहाद हाकिम ने कहाकि भवानीपुर हमारे लिए सिर्फ एक सीट नहीं है। यह वह जगह है जहां लोगों ने ममता बनर्जी की विकास और समावेश की राजनीति पर बार-बार भरोसा जताया है वर्षों से भवानीपुर में कई हाई-प्रोफाइल मुकाबले हुए, लेकिन नतीजा नहीं बदला। 2016 के विधानसभा चुनाव में वाम दलों और कांग्रेस ने गठबंधन कर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी को बनर्जी के खिलाफ उतारा। इस मुकाबले को 'दीदी बनाम बौदी' के रूप में पेश किया गया। बनर्जी ने 65,520 वोट हासिल कर दासमुंशी (40,219 वोट) को आसानी से हराया। भाजपा के चंद्र कुमार बोस तीसरे स्थान पर रहे, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। पांच साल बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया, जहां उनका मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से हुआ। भवानीपुर से तृणमूल ने शोवनदेव चट्टोपाध्याय को उम्मीदवार बनाया, जबकि भाजपा ने अभिनेता रुद्रनील घोष को मैदान में उतारा। घोष को 44,786 वोट मिले, जो इस सीट पर किसी विपक्षी उम्मीदवार को अब तक मिले सबसे ज्यादा वोट थे लेकिन वह 28,000 से अधिक वोटों से हार गए। उसी साल यह सीट और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। नंदीग्राम में अधिकारी से 1,956 वोटों से हारने के बाद ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उपचुनाव जीतना जरूरी था। एक बार फिर भवानीपुर केंद्र में आया। चट्टोपाध्याय ने सीट खाली की और बनर्जी ने भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल के खिलाफ उपचुनाव लड़ा। बनर्जी ने 58,000 से अधिक वोटों के अंतर और लगभग 72 प्रतिशत मतों के साथ जीत हासिल की, जिससे भवानीपुर उनकी सबसे भरोसेमंद सीट के रूप में स्थापित हो गया। भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र मुख्यतः कोलकाता नगर निगम के वार्डों से बना है जो दक्षिण कोलकाता की सामाजिक विविधता को दर्शाता है। यहां बंगाली मध्यमवर्गीय इलाकों के साथ बड़ी संख्या में हिंदी भाषी व्यापारी समुदाय भी रहते हैं। इस क्षेत्र में प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर भी स्थित है, जो कोलकाता के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है और यहीं ममता बनर्जी का निवास भी है। अनुमान के अनुसार, यहां लगभग 42 फीसदी वोटर बंगाली हिंदू, 34 फीसदी गैर-बंगाली हिंदू और करीब 24 फीसदी मुस्लिम हैं।

■ **अशोक भाटिया**

इंटरनेट और डिजिटल ...

शम्भू शरण सत्यार्थी

आज का युवा और भगत सिंह

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनकी चमक समय के साथ कम नहीं होती, बल्कि और अधिक उज्ज्वल होती जाती है। ऐसा ही एक महान नाम है भगत सिंह। वे केवल एक साहसी क्रांतिकारी ही नहीं थे, बल्कि एक गहरे चिंतक, अध्ययनशील युवक और दूरदर्शी विचारक भी थे। उनका जीवन बहुत छोटा था, परंतु उनके विचार इतने व्यापक और गहरे थे कि आज भी वे भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत बने हुए हैं। जब हम आज के युवा और भगत सिंह के विचारों के बीच संबंध को देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उनके आदर्श केवल इतिहास की स्मृति नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक हैं। आज का भारत स्वतंत्र है, लोकतांत्रिक है और तेजी से बदलती दुनिया के साथ कदम मिला रहा है। विज्ञान और तकनीक ने जीवन को आसान बना दिया है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और वैश्विक अवसरों ने युवाओं के सामने नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। आज का युवा दुनिया की हर जानकारी तक आसानी से पहुँच सकता है, नए विचारों को समझ सकता है और अपने जीवन के लिए नए रास्ते चुन सकता है लेकिन इसके साथ-साथ अनेक चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा का दबाव, सामाजिक असमानता, मानसिक तनाव, उपभोक्तावाद और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दे आज के युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या भगत सिंह के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं? यदि हम उनके जीवन और विचारों को गहराई से समझें, तो इसका उत्तर स्पष्ट रूप से "हाँ"

में मिलता है। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के एक ऐसे परिवार में हुआ था जहाँ देशभक्ति की भावना पहले से ही मौजूद थी। उनके पिता और चाचा स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए थे। बचपन से ही उनके मन में देश के प्रति गहरा प्रेम था, लेकिन उनकी देशभक्ति केवल भावनात्मक नहीं थी। वे एक गंभीर अध्ययनशील युवक थे। उन्होंने इतिहास, राजनीति, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दर्शन के अनेक ग्रंथों का अध्ययन किया। वे दुनिया के विभिन्न क्रांतिकारी आंदोलनों से भी प्रभावित थे और उन्होंने यह समझ लिया था कि केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकाल देना ही स्वतंत्रता का अंतिम लक्ष्य नहीं है। असली लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण होना चाहिए जहाँ शोषण, अन्याय और असमानता समाप्त हो जाए। भगत सिंह ने क्रांति की जो परिभाषा दी, वह बहुत गहरी और व्यापक थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि क्रांति का अर्थ केवल बम और पिस्तौल नहीं है। उनके अनुसार क्रांति का वास्तविक अर्थ समाज की उस व्यवस्था को बदलना है जिसमें कुछ लोग दूसरों का शोषण करते हैं। वे एक ऐसे भारत का सपना देखते थे जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, जहाँ जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव न किया जाए, और जहाँ समाज न्याय और मानवता के सिद्धांतों पर आधारित हो। भगत सिंह की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक उनका अध्ययनशील स्वभाव था। वे हमेशा किताबों से घिरे रहते थे। जेल में रहने के दौरान भी उन्होंने अनेक पुस्तकों का अध्ययन किया और कई महत्वपूर्ण लेख लिखे। उनका प्रसिद्ध लेख "मैं नास्तिक क्यों हूँ" यह दर्शाता है कि वे हर विचार को तर्क और विवेक के आधार पर परखते थे। वे अंधविश्वास और रूढ़िवादिता के विरोधी थे और वैज्ञानिक सोच को बहुत महत्व देते थे। यह विशेषता आज के युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश देती है। आज के समय में सूचना प्राप्त करना बहुत आसान हो गया है, लेकिन सूचनाओं के बीच सत्य और असत्य को पहचानना और गहराई से सोचने की क्षमता विकसित करना अधिक जरूरी हो गया है। आज का युवा तकनीक के युग में जी रहा है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान की दुनिया को उसके सामने खोल दिया है। शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर मौजूद हैं। लेकिन इसके साथ-साथ कई समस्याएँ भी हैं। प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है, बेरोजगारी युवाओं के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है और कई बार युवाओं के सामने जीवन की दिशा स्पष्ट नहीं होती। सोशल मीडिया ने संवाद के नए मंच दिए हैं, लेकिन कई बार यह सतही बहसों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का माध्यम भी बन जाता है। ऐसे वातावरण में युवाओं के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे गंभीर अध्ययन और चिंतन की आदत विकसित करें। आज के समय में उपभोक्तावाद भी तेजी से बढ़ा है। सफलता का अर्थ अक्सर धन, पद और भौतिक सुविधाओं से जोड़ दिया जाता है। बहुत से युवा अपने जीवन का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित कर लेते हैं। समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना कई बार पीछे छूट जाती है। भगत सिंह का जीवन इस प्रवृत्ति के विपरीत एक प्रेरणा प्रस्तुत करता है। उन्होंने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग करके राष्ट्र और समाज के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका जीवन यह सिखाता है कि व्यक्ति का जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और मानवता के लिए भी होना चाहिए। भगत सिंह का सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था। वे सामाजिक और आर्थिक न्याय के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि जब तक समाज में अमीरी और गरीबी की गहरी खाई बनी रहेगी, तब तक सच्ची स्वतंत्रता संभव नहीं है। आज भी भारत में आर्थिक असमानता एक बड़ी समस्या है। समाज के कई वर्ग अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। ऐसे में युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे केवल अपने व्यक्तिगत हितों तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के लिए भी आवाज उठाएँ। भगत सिंह ने अपने समय में ही सांप्रदायिक राजनीति के खतरों को पहचान लिया था। वे मानते थे कि धर्म और जाति के आधार पर समाज को बाँटना राष्ट्र के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने युवाओं से अपील की थी।

सलमान खान के...

सुभाष शिरढोनकर

आने वाले कल की सुपर स्टार हैं आयशा खान

एक्ट्रेस आयशा खान ने साल 2025 में फिल्म 'जाट' (2025) से न केवल हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरूआत की बल्कि 'किस किस को प्यार करूं 2' (2025) और 'धुरंधर' (2025) जैसी फिल्मों में भी जमकर धमाल मचाया। हिंदी सिने जगत में शुरूआत करने के पहले आयशा खान 4 तेलुगु फिल्मे कर चुकी हैं लेकिन उन्हें कभी इस तरह की लाइमलाइट नहीं मिली थी। खासकर 'धुरंधर' (2025) के बाद से वह लगातार सुर्खियों में हैं। फिल्म 'धुरंधर' (2025) में आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा पर फिल्माए गये 'शरारत....' डांस नंबर ने इन दोनों ही एक्ट्रेस को हर किसी का फेवरेट बना दिया। खासकर उस डांस नंबर में आयशा खान की आंखों का एक्सप्रेशन और उनका स्टाइलिश मेकओवर, सब कुछ ऐसा था जिसने उन्हें एक अलग लीग में पहुंचा दिया। असल जिंदगी में बेहद सिंपल और क्लासी नजर आने वाली आयशा खान का ग्लैमर, चार्म और स्क्रीन प्रेज़ेंस, हर बार ऑडियंस का दिल जीत लेती है। स्क्रीन पर आते ही वह जबर्दस्त कॉन्फिडेंट और स्ट्राइकिंग नजर आती हैं। कपिल शर्मा के अपोजिट वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' (2025) में आयशा का फनी, क्यूट और चुलबुला अंदाज़ देखने को मिला। खासकर इस फ्लाप फिल्म में जिस तरह से उन्होंने कॉमिक टाइमिंग के बीच अपने चार्म से स्क्रीन को लाइटअप किया वह कमाल का था। इस फिल्म में उनका फैशन गेम जिसमें उन्होंने ब्राइट आउटफिट्स, ट्रेडिशनल स्टाइलिंग और फ्लॉलेस लुक्स का शानदार इस्तेमाल किया, टॉप पर रहा। एक्शन-ड्रामा फिल्म 'जाट' (2025) में आयशा एक कॉन्स्टेबल के स्ट्रॉन्ग और दमदार किरदार में

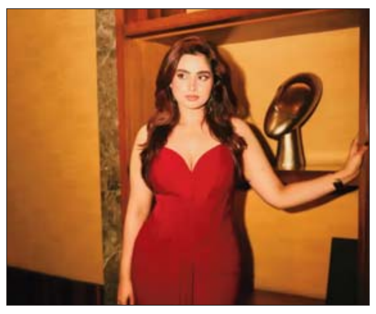

नजर ईं। इस फिल्म में उनके देसी और कॉन्फिडेंट बॉडी लैंग्वेज ने ऑडियंस को खूब इंप्रेस किया। आयशा को सबसे ज़्यादा तारीफ रवि दुबे के ड्रामा शो 'दिल को रफ़ू कर ले' (2024-2025) के लिए मिली। ये आयशा के करियर का सबसे सफल शो साबित हुआ। इसमें उनकी इमोशनल एक्टिंग, रोमांटिक चार्म और नेचुरल परफॉर्मेंस ने दर्शकों को उनसे गहराई से जोड़ दिया है। आयशा खान की खूबसूरती और ग्लैमर उनकी एक बड़ी पहचान है। खासकर उनकी साड़ी स्टाइल बेहद कमाल की है। कहा जा सकता है कि फिलहाल वह एक अंडररेटेड लेकिन वर्सेटाइल एक्ट्रेस हैं जो यकीनन आने वाले कल की सुपर स्टार हैं। 13 सितंबर, 2002 को मुंबई में पैदा हुई आयशा खान के पिता मूलतः बिहार से हैं । केवल 16 साल की उम्र में आयशा ने एकता कपूर के टीवी शो 'कसौटी जिंदगी के' (2018-2020) से बतौर जूनियर आर्टिस्ट अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की। लेकिन उसके बाद उन्हें टीवी शो 'बालवीर रिटर्न्स' (2020) में बिर्बा का किरदार मिला और उनके करियर की गाड़ी चल निकली। सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' (2023-2024) में आयशा खान वाइल्ड कार्ड एंट्री बनकर शामिल हुई थीं।

जरा हटके

यदि इस उपलब्धि ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

विकास का विस्तृत वितानः सूक्ष्म उद्योगों से सशक्त होता उत्तर प्रदेश और सुदृढ़ नेतृत्व की सार्थक साधना

समय की सतत सरिता में जब शासन की सजगता, संकल्प की सुदृढ़ता और समाज की सहभागिता एक साथ संगम करती है, तब विकास केवल आंकड़ों का आभूषण नहीं रहता बल्कि जनजीवन का जमीनी यथार्थ बन जाता है। आज उत्तर प्रदेश इसी यथार्थ का जीवंत उदाहरण बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के क्षेत्र में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि नेतृत्व की दूरदर्शिता, प्रशासन की दक्षता और नीति के प्रभावी क्रियान्वयन का समन्वित स्वरूप है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, जिसे सामान्यतः पीएमएफएमई योजना कहा जाता है, में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस व्यापक परिवर्तन की एक सशक्त और प्रमाणिक अभिव्यक्ति है। अब तक उत्तर प्रदेश इस योजना के अंतर्गत 2000 करोड़ रुपये से अधिक के टर्म लोन स्वीकृत कर देश में शीर्ष स्थान पर पहुँच गया है और यह उपलब्धि केवल वित्तीय विस्तार नहीं, बल्कि विश्वास, व्यवस्था और विकास की त्रिवेणी का परिणाम है। इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या भी सर्वाधिक रही है, जहाँ 7340 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई और लगभग 98 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट दर्ज किया गया जो राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन का द्योतक है। यह आँकड़े केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक सक्रियता का प्रमाण हैं, जिसने योजनाओं को फाइलों से निकालकर फर्श तक पहुँचाया। यदि इस सफलता की संरचना को गहराई से समझें, तो स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश ने सूक्ष्म उद्योगों को केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता की आधारशिला के रूप में देखा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का मूल उद्देश्य छोटे उद्यमियों को वित्तीय, तकनीकी और विपणन सहायता प्रदान करना है और इस योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा 10000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जैसा कि भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की आधिकारिक जानकारी में उल्लेखित है। इस योजना के अंतर्गत देश भर में लाखों सूक्ष्म इकाइयों को सहायता प्रदान की जा रही है, और उत्तर प्रदेश ने इस प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाई है। यहाँ यह समझना भी आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश की सफलता केवल ऋण वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सुव्यवस्थित तंत्र का परिणाम है। राज्य में प्रत्येक जिले में जनपदीय संसाधन व्यक्तियों की नियुक्ति की गई है, जो उद्यमियों को योजना की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया और इकाई स्थापना में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि सरकार केवल योजनाएँ घोषित नहीं कर रही, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संस्थागत ढाँचा भी तैयार कर रही है। इस योजना के अंतर्गत औसत टर्म लोन लगभग 10 लाख रुपये और औसत अनुदान राशि लगभग 4 लाख रुपये प्रति इकाई स्वीकृत की जा रही है। यह वित्तीय सहायता छोटे उद्यमियों के लिए केवल पूंजी नहीं, बल्कि संभावनाओं का पंख है, जिससे वे अपने व्यवसाय को विस्तार दे सकते हैं। यह वही प्रक्रिया है, जिसे 'नीति से नीयत और नीयत से परिणाम' की यात्रा कहा जा सकता है। यदि इस उपलब्धि को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को विकास का केंद्रीय स्तंभ बनाया है। यह दृष्टिकोण उस समय और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब वैश्विक स्तर पर रोजगार सृजन और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करता है और किसानों की आय में वृद्धि करता है। समाचार विश्लेषणों में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस योजना के माध्यम से अब तक 24197 से अधिक इकाइयों को अनुदान की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। यह संख्या केवल उद्योगों की नहीं, बल्कि परिवारों की समृद्धि और युवाओं के रोजगार का संकेत है। प्रत्येक इकाई के पीछे एक उद्यमी का सपना, एक परिवार की आशा और एक समाज की प्रगति जुड़ी होती है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ने इस योजना के क्रियान्वयन में समयबद्धता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। औसत स्वीकृति समय लगभग 100 दिन रखा गया है, जो प्रशासनिक दक्षता का स्पष्ट संकेत है। यह वही गति है, जो विकास को गतिशील बनाती है और निवेशकों का विश्वास बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश में शासन की शैली में जो परिवर्तन देखने को मिला है, उसमें निर्णय की दृढ़ता, क्रियान्वयन की निरंतरता और परिणाम की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। योजनाओं को केवल घोषणा तक सीमित न रखकर, उन्हें लक्ष्य आधारित और परिणाम केंद्रित बनाया गया है। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश की नीतियाँ केवल राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन रही हैं। दि इस उपलब्धि को राष्ट्रीय संदर्भ में देखें, तो यह भी स्पष्ट होता है कि अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश ने इस योजना के क्रियान्वयन में अधिक सक्रियता दिखाई है। जहाँ अन्य राज्यों में योजना का प्रभाव सीमित रहा, वहीं उत्तर प्रदेश ने इसे व्यापक स्तर पर लागू किया और अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुँचाया। यह प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सूक्ष्म खाद्य उद्योगों का विकास केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी माध्यम है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाता है और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस प्रकार यह योजना "वोकल फॉर लोकल" और "आत्मनिर्भर भारत" की अवधारणा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रयागराज जैसे जिलों में इस योजना के सफल क्रियान्वयन के उदाहरण भी सामने आए हैं, जहाँ हजारों उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई और अनेक इकाइयाँ स्थापित हुईं।यह दर्शाता है कि यह सफलता केवल राज्य स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि जिला स्तर तक भी प्रभावी रूप से पहुँची है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत सामाजिक समावेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। विभिन्न सरकारी आंकड़ों में यह उल्लेख किया गया है।

सौरभ दुबे-दसुन शनाका आईपीएल में शामिल

हर्षित राणा के रिप्लेसमेंट पर फैसला बाकी, लीग में अब तक 10 खिलाड़ियों के खेलने पर संशय

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीजन शुरू होने से पहले ही 10 खिलाड़ी या तो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं या शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है, जबकि हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का अब तक ऐलान नहीं हुआ है। सौरभ दुबे पिछले साल दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। उनकी बेस प्राइस 30 लाख रुपए थी और वे रजिस्टर्ड अवेलेबल प्लेयर पूल (RAPP) में शामिल थे, जिससे उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना जा सका। दुबे को 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद ने साइन किया था, लेकिन चोट के कारण वे बाहर हो गए थे। वहीं, श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि KKR उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती, क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वह IPL के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। KKR ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने KKR जर्सी में उनकी एक तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद और बढ़ गई है। 13 मार्च को KKR ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को BCCI के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

केकेआर ने सौरभ दुबे को आकाश की जगह शामिल किया

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने IPL 2026 के लिए सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। 28 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुबे, आकाश दीप की जगह लेंगे। आकाश चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। सौरभ दुबे विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन अभी तक IPL में डेब्यू नहीं कर पाए हैं। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता सुब्रतो बनर्जी ने दुबे को प्रतिभाशाली गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि दुबे गेंद से स्विंग कराने के साथ पिच से अतिरिक्त उछाल भी हासिल करते हैं। बनर्जी ने 2019 में राहुल द्रविड़ के साथ बांग्लादेश दौरे के दौरान उन्हें करीब से देखा था, जब वे ACC इमर्जिंग टीम्स एशिया कप टीम में थे।

केकेआर ने हर्षित राणा और पथिराना का रिप्लेसमेंट घोषित नहीं किया

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने अभी तक हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। टीम के एक अधिकारी ने क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को बताया कि हर्षित राणा के विकल्प पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। टीम के अंदर यह माना जा रहा है कि राणा के स्तर का कोई भारतीय विकल्प फिलहाल उपलब्ध नहीं है। हर्षित राणा घुटने की चोट के कारण भारत के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। पूरी तरह फिट होने में उन्हें अभी समय लगेगा। राणा ने IPL 2024 में 19 और 2025 में 15 विकेट लिए थे।

आकाश दीप ने IPL के 14 मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कप्तानी की

शानाका हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे, जहां टीम सुपर-8 स्टेज से बाहर हो गई थी। उन्होंने टूर्नामेंट में 165 रन बनाए, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ 31 गेंद में नाबाद 76 रन की पारी शामिल रही। इसके अलावा उन्होंने 3 विकेट भी लिए।

नेमार का वर्ल्ड कप खेलने का सपना लगभग खत्म

ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन के साथ विवाद गहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

नेमार का 2026 वर्ल्ड कप खेलने का सपना लगभग खत्मः ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन के साथ विवाद गहराया; अनसेलोटी से भी नहीं मिले, फिटनेस पर भी सवाल नेमार जूनियर के 2026 फीफा वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें अब लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। नेमार ने पहले संकेत दिए थे कि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है, लेकिन ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन (CBF) के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है। सीएनएन ब्राजील की रिपोर्ट के अनुसार,CBF के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नेमार का टीम में चयन अब "अत्यंत जटिल" हो गया है और यह लगभग नामुमकिन सा लगता है। कुछ दिन पहले ही ब्राजील कोच कार्लो एंसेलॉटी ने आगामी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों (फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ) के लिए टीम घोषित की, जिसमें नेमार का नाम नहीं था। नेमार ने साओ पाउलो में एक इवेंट पर कहा कि वे डिसअपॉइंटेड और सैड हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी फिटनेस पर काम करने और टीम में वापसी की इच्छा जताई। लेकिन CBF के अंदर ये रिएक्शन अच्छा नहीं लिया गया। हाल ही में एक ऐसी घटना हुई जिसने नेमार की टीम में वापसी के रास्ते लगभग बंद कर दिए। ब्राजील के हेड कोच कार्लो अनसेलोटी विशेष रूप से नेमार का खेल देखने के लिए सांतोस FC और मिरासोल के बीच मैच देखने पहुंचे थे। अनसेलोटी ने इसके लिए प्राइवेट जेट लिया और आखिरी समय में यात्रा की ताकि वे नेमार की फिटनेस का आकलन कर सकें।

फास्ट न्यूज

धुरंधर 2 में रणवीर का घोस्ट लुक वायरल

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड बना रही है। अब फिल्म के कलेक्शन के साथ-साथ अब रणवीर सिंह के 'घोस्ट' लुक की भी खूब चर्चा हो रही है। सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट प्रीतिशील सिंह ने सोशल मीडिया पर एक बिहाइंड-द-सीन (BTS) वीडियो शेयर किया है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे रणवीर सिंह को फिल्म के डरावने 'घोस्ट बॉर्न ऑफ शैडोज' लुक में बदला गया।

डिमोना शहर पर हमले से इजराइली डिफेंस की पोल खुली

तेल अवीव। इजराइल के सबसे सुरक्षित इलाकों में उसका मुख्य परमाणु रिसर्च सेंटर माना जाता है। डिमोना न्यूक्लियर फैसिलिटी नेगेव रेगिस्तान में डिमोना शहर के पास स्थित है। यहां सुरक्षा बहुत कड़ी रहती है और इसे बचाने के लिए कई परतों वाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगी हुई है। लेकिन शनिवार रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल के एयर डिफेंस को चकमा देकर डिमोना और पास के शहर अराद के रिहायशी इलाकों में गिर गईं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए मिसाइलों ने 1500 किमी से ज्यादा दूरी तय की ये दोनों हमले करीब तीन घंटे के अंतर से हुए। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, ईरान की मिसाइल हमलों में 180 लोग घायल हुए हैं।

जारा ने चीन में आधी दुकानें बंद की

लंदन। फैशन जगत में जब शीन और टेमू जैसे चीनी ब्रांड्स ने 'अल्ट्रा-चीप' मॉडल से तहलका मचाया, तो माना गया कि जारा को टिके रहने के लिए कीमतें घटानी होंगी। लेकिन स्पेनिश दिग्गज इंडिटेक्स ने इसके उलट 'प्रीमियम रणनीति' अपनाई। ये स्पेनिश क्लॉदिंग ग्रुप है, जिसकी कुल बिक्री का दो-तिहाई हिस्सा जारा से आता है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 6% अधिक है। जारा का ऑपरेटिंग प्रॉफिट प्रतिद्वंद्वी एचएंडएम से पांच गुना ज्यादा है।

चंबल में डाकुओं के गन पॉइंट पर आईं, 4 नेशनल अवॉर्ड जीतकर बनाया रिकॉर्ड

40 की हुई कंगना रनोट

मुंबई, एजेंसी

साल था 2005 का जब 18-19 साल की लड़की, मुंबई में हीरोइन बनने का सपना लेकर आई थी, ऑडिशन के जरिए काम ढूंढ रही थी। एक दिन, जब वो कॉफी के एक एड के लिए गई, तब कुछ लड़कियां फिल्म गैंगस्टर के ऑडिशन के लिए महेश भट्ट के ऑफिस जा रही थीं। वो भी उनके साथ चली गई और ऑडिशन दे दिया। पहले तो उसे वो रोल नहीं मिला, लेकिन जब चुनी गई एक्ट्रेस से संपर्क नहीं हो पाया, तो उसे मेकर्स का अचानक फोन आया और पूछा, 'पासपोर्ट है? अगर नहीं है, तो एक हफ्ते में बनवा लो, फिल्म मिल सकती है।' इसके बाद उसे फिल्म मिली और उसकी फिल्म गैंगस्टर सुपरहिट साबित हुई और वो रातों-रात स्टार बन गई। आज वही कंगना 40 साल की हो चुकी हैं।

अचार और ब्रेड पर भी किया गुजारा

महज 16 साल की उम्र में कंगना अपनी खुद की पहचान बनाने की तलाश में दिल्ली आ गईं। यहां उन्होंने मॉडलिंग से शुरुआत की, फिर एक्टिंग की ओर रुख किया और अस्मिता थिएटर ग्रुप में डायरेक्टर अरविंद गौर के मार्गदर्शन में एक्टिंग सीखी और नाटकों में हिस्सा लिया। फिर अरविंद गौर की ही सलाह पर फिल्मों में किस्मत आजमाने के लिए कंगना मुंबई पहुंच गईं। मुंबई पहुंचने के बाद कंगना को कई बार केवल ब्रेड और अचार खाकर दिन गुजारने पड़े।

फैशन के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला

गैंगस्टर के बाद कंगना ने वो लम्हे और लाइफ इन ए मेट्रो जैसी फिल्मों में इमोशनल और मुश्किल किरदार निभाकर अपनी पहचान मजबूत की। साल 2008 में आई फिल्म फैशन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए पहला नेशनल अवार्ड मिला। 2009 में उन्होंने फिल्म राजः द मिस्ट्री कंटिन्यूज़ में एक मॉडल की भूमिका निभाई, जो हिट रही, लेकिन उन्हें एक जैसे रोल मिलने लगे।

ऑडिशन के बाद फिल्म के मेकर्स ने उन्हें बुलाया कंगना की तारीफ तो की, लेकिन कहा कि वह इस रोल के लिए काफी छोटी हैं, किरदार एक बच्चे की मां का था। बाद उस वक्त इस रोल के लिए एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह को सेलेक्ट कर लिया गया। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। शूटिंग से ठीक एक हफ्ते पहले अचानक कुछ पर्सनल वजहों से चित्रांगदा ने मेकर्स का फोन उठाना बंद कर दिया।

फिल्म क्वीन ने करियर को ऊंचाई दी

2013 में कृष 3 जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद कंगना ने 2014 में क्वीन से अपने करियर को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म में एक साधारण लड़की के आत्मनिर्भर बनने की कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके बाद तनु वेड्स मनु रिटर्न्स (2015) में डबल रोल निभाकर उन्होंने लगातार दूसरा नेशनल अवॉर्ड जीता। आगे चलकर फिल्म मणिकर्णिकाः द क्वीन ऑफ झांसी और पंगा के लिए उन्हें चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। बता दें कि कंगना किसी महिला कलाकार द्वारा जीते गए नेशनल अवॉर्ड्स की संख्या में दूसरे स्थान पर हैं। शबाना आजमी पहले स्थान पर हैं, जिन्हें 5 नेशनल अवॉर्ड मिले हैं।

युद्ध के बीच तेल-गैस से ईरान की रिकॉर्ड कमाई

खार्ग टर्मिनल से सप्लाई जारी, खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70% तक गिरा

दुबई/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल के साथ जंग को ईरान ने एक मौके में बदल दिया है। अमेरिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन ग्लोबल ऑयल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधे निशाना नहीं बनाया। इसी का फायदा उठाते हुए ईरान ने खार्ग टर्मिनल चालू रखा और 'घोस्ट फ्लीट' के जरिए चीन को सप्लाई जारी रखी है। इंटरनेशनलएनर्जी एजेंसी और S&P ग्लोबल के मुताबिक, ईरान रोजाना 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर रहा है। देश के करीब 90% तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले से एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं हुई। रिपोर्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से ईरान करीब 16.5 करोड़ रुपए प्रति जहाज 'वॉर टैक्स' भी वसूल रहा है। ईरान की होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों के कारण सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक्स दिक्कतों के चलते इन देशों का कुल उत्पादन 70% तक गिर गया है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का सबसे सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.26% की उछाल के साथ 112.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर चिल्लाता रहा- स्टॉप, स्टॉप, पायलट और को-पायलट की मौत

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर विमान और फायर ट्रक की टक्कर

- हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद रनवे को बंद कर दिया गया। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया
- एयरपोर्ट पर एयर कनाडा का विमान रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं।

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर एक फायर ट्रक से टकरा गया। इससे विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया। यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी। हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जैज एविएशन के मुताबिक, CRJ-900 विमान में कुल 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। टक्कर के तुरंत बाद रनवे 4 को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लागू करते हुए सभी फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए और आने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया गया। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी

लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी। वायरल ऑडियो में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पहले ट्रक को रनवे पार करने की अनुमति दी थी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद कंट्रोलर लगातार "स्टॉप, स्टॉप, ट्रक 1" चिल्लाता रहा। हालांकि, कुछ ही सेकंड में टक्कर हो गई। कंट्रोलर की आवाज रिकॉर्डिंग में सुनाई देती है- "JAZZ 646, आप वाहन से टकरा गए हैं, वहीं रुके रहें, मदद पहुंच रही है।"

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो-फोटो में विमान के अगले हिस्से में नुकसान दिख रहा है।

हादसे से पहले एयरपोर्ट ने बारिश और कोहरे की चेतावनी दी थी

घटना के बाद रनवे पर बड़ी संख्या में इमरजेंसी वाहन पहुंच गए। रात 2 बजे तक रनवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। हादसे से पहले एयरपोर्ट ने हल्की बारिश और कोहरे के कारण फ्लाइट डिसरप्शन की चेतावनी दी थी। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि रनवे पर वाहन कैसे पहुंचा और टक्कर कैसे हुई।

एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को डायवर्ट किया गया

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने एयरक्राफ्ट इमरजेंसी घोषित करते हुए तुरंत ग्राउंड स्टॉप लगा दिया। एयरपोर्ट को सोमवार दोपहर 2 बजे तक बंद रखने की बात कही गई है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर ने सूचना निदेशालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सभी पत्रकार बंधुओं को प्रेस दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी।

गोल्डक्रैश : ईरान जंग से 24 दिन में सोना ₹24 हजार सस्ता, चांदी ₹65 हजार नीचे आई

सोने में ₹12 हजार, चांदी में ₹31 हजार गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना-चांदी के दाम में आगे भी ये गिरावट जारी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों को अभी सोने-चांदी में निवेश से बचना चाहिए।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. कीमत क्रॉस चेक करेंः सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

»ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।

»खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। इससे मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

»लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।

»पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

सोने की कीमतों का सफर : ₹1.76 लाख से ₹1.35 लाख तक

सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है।

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख (सिर्फ एक महीने में भारी उछाल)

मौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 41 हजार सस्ता हो चुका है।

चांदी की कीमतों में भारी क्रैशः ₹3.86 लाख से ₹2.01 लाख तक

चांदी में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑल टाइम हाई से बहुत तेजी से नीचे आई है।

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025) : 2.30 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026) : 3.86 लाख (ऐतिहासिक बढ़त)

गिरावट का आंकड़ा : पिछले 53 दिन में चांदी 1.84 लाख सस्ती हो गई है।

सेंसेक्स में 1400 अंक की गिरावट

73,100 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी 450 अंक टूटा, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 23 मार्च को बड़ी गिरावट है। सेंसेक्स करीब 1,400 अंक (1.90%) की गिरावट के साथ 73,100 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 450 अंक (2.00%) की गिरावट है, ये 22,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज बैंकिंग, ऑटो, मेटल और FMCG शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जारी जंग के बीच आज कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। ब्रेंट क्रूड आज 1% से ज्यादा बढ़कर 108 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतें 156 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। खाड़ी देशों में जारी ईरान की जंग से आज शुक्रवार को बाजार खुलते ही रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया डॉलर के 33 पैसे गिरकर मुकाबले 93.86 के स्तर पर आ गया है। विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) ने 20 मार्च को 5,518 करोड़ की नेट बिकवाली की। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने इस दौरान 5,706 करोड़ की खरीदारी की। अब तक मार्च में FIIs 86,780 करोड़ निकाल चुके हैं। वहीं DIIs ने 101,168 करोड़ की खरीदारी की है। इससे पहले शुक्रवार यानी 20 मार्च को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 325 अंक (0.44%) चढ़कर 74,532 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 112 अंक (0.49%) की तेजी रही, यह 23,114 पर बंद हुआ था। जापान का निक्केई इंडेक्स 3.35% गिरकर 51,582 पर कारोबार कर रहा है। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 5.62% गिरकर 5,456 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 3.37% गिरकर 24,424 पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 2.29% गिरकर 3,866 पर कारोबार कर रहा है।

बाजार गिरने की 3 बड़ी वजहें

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ गई है।

कच्चे तेल के दाम बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

अमेरिकी बाजार में 20 मार्च को गिरावट रही

डाउ जोन्स 443 अंक (0.96%) गिरकर 45,577 के स्तर पर बंद हुआ।

टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 2.01% गिरकर 21,647 पर बंद हुआ।

र&ढ 500 इंडेक्स 100 अंक (1.51%) गिरकर 6,506 पर बंद हुआ।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का जनता दर्शन

सैकड़ों फरियादियों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को राजधानी लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय 7-कालीदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में भूमि विवाद, अवैध कब्जा, उत्पीड़न, सड़क और बिजली की समस्याएं, आवास आवंटन, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की भरमार रही। उप मुख्यमंत्री ने इन सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जहां जरूरत हो, वहां कड़ी कार्रवाई की जाए। डिप्टी सीएम ने

अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर शिकायत के निस्तारण के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए और उसकी नियमित मॉनिटरिंग हो। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना जनसमस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है।

हर समस्या के समाधान का भरोसा

जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि "हर व्यक्ति की हर समस्या का हर संभव समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।" साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण इस प्रकार हो कि पीड़ितों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। कार्यक्रम में केशव प्रसाद मौर्य ने खुद फरियादियों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इससे फरियादियों में राहत और भरोसा देखने को मिला।

महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को प्राथमिकता

जनता दर्शन में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता दी गई। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन वर्गों की शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। कार्यक्रम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए लोगों ने अतिक्रमण हटाने, जमीन पर कब्जा दिलाने, आरोपियों की गिरफ्तारी, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत समस्याएं रखीं। उप मुख्यमंत्री ने हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो।

लखनऊ से आप की छात्र विंग एएसएपी का प्रदेशव्यापी अभियान शुरू

युवाओं को जोड़ने और शिक्षा सुधार पर फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग ASAP (Association of Students for Alternative Politics) द्वारा शहादत दिवस के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को संगठित करने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को मजबूत करने तथा शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा युवाओं को दिए गए संदेश और उनके विचारों को विश्वविद्यालयों में छात्रों और युवाओं के बीच पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी अभियान की शुरुआत सोमवार को की गई। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवाह्न पर ललितपुर, गाजियाबाद, बहराइच, बागपत, जालौन, मुजफ्फरनगर, चंदौली, वाराणसी, आगरा, बदायूं, मैनपुरी, मेरठ, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में छात्र-युवा कार्यकर्ताओं ने जोरदार

कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में इस अभियान की शुरुआत आम आदमी पार्टी की छात्र विंग ASAP के प्रदेश महासचिव अनित रावत द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस से की गई। इस अवसर पर अनित रावत ने कहा कि ASAP अभियान के तहत संगठन के कार्यकर्ता प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, संवाद और जनसंपर्क अभियान चलाएंगे, ताकि शिक्षा को लेकर समाज में नई चेतना और जागरूकता पैदा की जा सके। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्रों और युवाओं ने शहीद भगत सिंह और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर गंभीर चर्चा की और संकल्प लिया कि इन विचारों को गांव-गांव और गली-गली तक पहुंचाया जाएगा, जिससे एक जागरूक, शिक्षित और समानता आधारित समाज का निर्माण संभव हो सके। अनित रावत ने प्रदेश के युवाओं और छात्रों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए ASAP से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप नंबर 8090090543 भी जारी किया। इस मौके पर अनित रावत ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर युवाओं को अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा दी, वहीं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की मजबूत नींव रखी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की सत्ता इन विचारों को मजबूत करने के बजाय उन्हें कमजोर करने में लगी हुई है।

फास्ट न्यूज

आगरा पुलिस ने मुठभेड़ में तीन लुटेरों को पकड़ा

आगरा। आगरा पुलिस ने ज्वैलर्स से 8 लाख के आभूषण लूट कर भागने वाले तीन आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक हफ्ते पहले एक व्यापारी से लूट की घटना को अंजाम दिया था। वादी ने घटना की शिकायत थाना जगदीशपुरा में की थी। इसके बाद आगरा पुलिस के द्वारा एक टीम का गठन किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपियों की घेराबंदी की।

एयरफोर्स कर्मी ने लड़ाकू विमानों की लोकेशन पाकिस्तान भेजी

प्रयागराज/जयपुर। राजस्थान की इंटेलिजेंस टीम ने जासूसी के आरोप में प्रयागराज के रहने वाले सरकारी कर्मचारी को असम के चबुआ एयरफोर्स स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी सुमित कुमार वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स तक पहुंचा रहा था। उसने लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों-कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी भी साझा की थी। एडीजी (इंटेलिजेंस राजस्थान) प्रफुल्ल कुमार ने बताया- पूरे मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। झबराराम से पूछताछ के दौरान प्रयागराज के सुमित कुमार नाम के एक और संदिग्ध का खुलासा किया। सुमित लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था।

मुरादाबाद के होटल में पुलिस का छापा

मुरादाबाद। मुरादाबाद के बुध बाजार स्थित एक होटल में पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान तीन महिलाओं और पांच युवकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस को होटल के एक कमरे में शराब पीकर झगड़ा करने की सूचना मिली थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब पांच बजे बुध बाजार चौकी इंचार्ज सुनीता सिंह को सूचना मिली।

रसोइयों का प्रतिनिधमंडल शिक्षा महानिदेशक से मिला, रखा पक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधा भवन लखनऊ में रसोइयों का 3 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने रसोइयों की मांगों को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा से मुलाकात कर की वार्ता वार्ता में मुख्य रूप से रसोइयों को मानदेय ₹10000 प्रतिमाह 10 से 11 माह का देने। छात्र संख्या कम होने पर पूर्व से कार्यरत रसोइयों को न हटाने। रसोइयों की सेवा नियमावली बनाने, अन्य कर्मचारियों की भांति रसोइयों को भी आकस्मिक एवं मातृत्व प्रसूति अवकाश स्वीकृत करने। कई वर्षों से कार्यरत अनुभवी रसोइयों को पाल्य के नाम पर न हटाने के संबंध में समस्त जिलाधिकारी व समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को लिखित रूप में आदेशित निर्देशित करने की मांग महानिदेशक के समक्ष मुख्य रूप से रखी गई। वार्ता में महानिदेशक मोनिका रानी ने संगठन को बताया रसोइयों को न हटाने के संबंध में समस्त जिलाधिकारी को जारी होगा पत्र। रसोइयों का मानदेय बढ़ाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है जो शीघ्र पूरी होने वाली है मानदेय वृद्धि की घोषणा

जल्द सरकार द्वारा की जाएगी। वार्ता में मुख्य रूप से कैलाश कुमार प्रांतीय अध्यक्ष रसोईया जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश एवं प्रदेश महामंत्री संयुक्त रसोईया मोर्चा उत्तर प्रदेश। रामकुमार गौतम प्रांतीय महामंत्री रसोइया जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश, संजू तिवारी प्रांतीय महामंत्री रसोइया जनकल्याण समिति उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे।

लखनऊ की मतदाता सूची से 8 लाख वोटर कटे

अब 31.30 लाख मतदाता, 9 विधानसभा में 3.5 लाख नए वोटर जुड़े

- लखनऊ डीएम विशाख जी ने पूरी प्रक्रिया की शुरु से अंत तक निगरानी की।
- डीएम ने समय-समय पर समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों-कर्मचारियों से एसआईआर का अपडेट लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में SIR (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 8 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। अब 31.30 लाख मतदाता बचे है। SIR से पहले कुल मतदाताओं की संख्या 39.85 लाख थी। पुनरीक्षण के दौरान मृत, स्थानांतरित और डुप्लीकेट नामों की पहचान कर उन्हें सूची से हटाया गया। इस प्रक्रिया में पहले 12 लाख से अधिक नाम काटे गए थे। इसके बाद फॉर्म 6 से साढ़े तीन लाख नए मतदाता जोड़े गए। अब साढ़े आठ लाख मतदाता हटाए जाने का आंकड़ा सामने आया है। जिससे

मतदाता सूची में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। लखनऊ की 9 विधानसभा सीटों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो कई क्षेत्रों में चिंता बढ़ाने वाले हैं। राजधानी के शहरी इलाकों में यह प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक पाया गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा कुछ कम है। सबसे अधिक ट्रैक न होने वाले मतदाता लखनऊ पूर्व विधानसभा में सामने आए हैं, जहां 18.25 प्रतिशत यानी कुल 84,449 मतदाताओं का पंजीकरण नहीं हो पाया है। इसके बाद लखनऊ पश्चिम विधानसभा दूसरे स्थान पर है, जहां 16.58 प्रतिशत (77,969) मतदाता सूची से बाहर हैं।

साढ़े तीन लाख नए मतदाताओं का हुआ पंजीकरण

प्रशासन ने बताया कि लखनऊ में एसआईआर की प्रक्रिया करीब 100 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी है। शेष कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन किया गया, जिससे फर्जी और डुप्लीकेट नामों को हटाने में मदद मिली। अधिकारियों के मुताबिक यह प्रक्रिया आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बेहद महत्वपूर्ण रही। पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में नए मतदाताओं ने भी अपना नाम जुड़वाया।

लखनऊ मध्य में 51 हजार मतदाता अनट्रेसड

लखनऊ मध्य विधानसभा में भी 13.98 प्रतिशत (51,998) मतदाता ऐसे पाए गए हैं, जिनका पंजीकरण नहीं हुआ है। राजनीतिक रूप से अहम इन शहरी सीटों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं का सूची से बाहर होना चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रतिशत कुछ कम है। बक्शी का तालाब विधानसभा में 9.53 प्रतिशत (47,164), सरोजिनी नगर विधानसभा में 9.35 प्रतिशत (56,311) और लखनऊ कैंट विधानसभा में 8.15 प्रतिशत (29,790) मतदाता अपंजीकृत पाए गए हैं।

अखिलेश यादव ने छात्रों को लैपटॉप देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज चौधरी शिवचरण सिंह इंटर कॉलेज, मुरादाबाद के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें शिक्षा के महत्व पर जोर देने के लिए प्रेरित किया।लैपटॉप प्राप्त करने वाले छात्रों में सर्वश्री बीरू, रानी, रूबी, मो. गुफरान, मशी, सदफ, रेणुका, राधिका, तुलसी, प्रीती, रहनुमा, भावना, अरीबा खान, दीक्षा, राम सिंह आदि शामिल थे।अखिलेश यादव ने छात्रों से कहा कि तकनीकी ज्ञान और डिजिटल शिक्षा आज के युग में सफलता की कुंजी है और ऐसे उपकरण उन्हें पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। इस पहल के माध्यम से छात्रों को आधुनिक शिक्षा के अवसर मिलेंगे और उनकी प्रतिभा निखरेगी।कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने समाजवादी पार्टी की इस पहल की सराहना की।

डॉ. राम मनोहर लोहिया जयंती पर याद किए गए उनके समाजवादी विचार

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती आज राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश भर में जिलों-जिलों और अन्य राज्यों में मनाई गयी। राजधानी लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम गोमतीनगर स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया पार्क में आयोजित किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ नेता श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, श्री अभिषेक मिश्र, श्री संजय लाठर, रविदास मेहरोत्रा, अरमान खान, समेत अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित कर डॉ. राममनोहर लोहिया को याद किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए श्री

अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया ने गरीबों, पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और आधी आबादी के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए समाजवादी आंदोलन को दिशा दी। इसके साथ ही हम आजादी के आंदोलन में अपने जान की कुर्बानी देने वाले अपने क्रांतिकारियों सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को याद कर रहे हैं। सरदार भगत सिंह समाजवादी थे। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर के दिए हुए संविधान के तहत समाजवादी विचार और सिद्धांत दिए। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया के समाजवादी विचारों पर चलकर ही देश और देश की बड़ी आबादी किसानों, नौजवानों, महिलाओं और गरीबों को खुशहाली के रास्ते पर लाया जा सकता है। आज सरकारों की गलत नीतियों से अमीर और गरीब के बीच खाईं बढ़ती जा रही है, हर स्तर पर भेदभाव है। इस खाईं को पाटने के लिए समाजवादी विचारधारा के अलावा कोई और दूसरा रास्ता नहीं है। डॉ. लोहिया ने सप्तक्रांति का आह्वान कर हर तरह के भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी। समाजवादी लोग हर तरह के भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्षों से मिली समाजवादी पार्टी और हम समाजवादी लोग डॉ. लोहिया के जन्म समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने, गरीब, किसान, मजदूर, आधी आबादी महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष करने का संकल्प लेते हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश में महंगाई का कारण मुनाफाखोरी और भ्रष्टाचार है। भाजपा करीबी उद्योगपतियों और व्यवसाईयों को लाभ पहुंचाने के लिए मुनाफाखोरी करा रही है।

घटना : 20 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका, प्रयागराज में हादसा

अमोनिया रिसाव के बाद धमाका, कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग ढही

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस के रिसाव के बाद धमाका हुआ। इससे बिल्डिंग ढह गई। घटना के वक्त वहां 20 लोग काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि सभी मलबे में दब गए हैं। हादसा फाफामऊ इलाके में सोमवार दोपहर ढाई बजे हुआ। एसडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। लोग घायलों को उठाकर ले जा रहे हैं। कोल्ड स्टोरेज समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक अंसार अहमद का बताया जा रहा है। करीब 60 एकड़ जमीन में

फैला है। 100 से अधिक लोग यहां काम करते हैं।

- हादसे के बाद आसपास के 200 से ज्यादा लोग जुट गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया है।
- घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल है। लोग एक युवक को गोद में उठाकर ले जाते नजर आए।

कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में लिया

कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर और कुछ कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सभी को थाने ले जाया जा रहा है। घटनास्थल पर 4 जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। SDRF और NDRF की टीम को भी बुलाया गया है। घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। लोग घायलों को उठाकर ले जा रहे हैं। प्रयागराज में कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग ढह गई है। घटना के वक्त वहां 20 लोग काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि सभी मलबे में दब गए हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

खाद्य, ऊर्जा समेत ...

किसानों और पर्यटन के लिए सौगातः कृषि क्षेत्र में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं खरीद की नीति निर्धारित की जाएगी। साथ ही, लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों जैसे रोशन-उद-दौला और छतर मंजिल को पीपीपी मॉडल पर 'हेरिटेज पर्यटन इकाई' के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन विभाग को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव भी शामिल है।

सिलेंडर में केवल ...

एक एग्जिक्यूटिव ने बताया कि इस कदम का मकसद यथासंभव ज्यादा से ज्यादा घरों में गैस की सप्लाई बनाए रखते हुए LPG को संरक्षित रखना है। कंपनियों के अनुमान के मुताबिक, 14.2 किलोग्राम वाला एक स्टैंडर्ड LPG सिलेंडर औसतन घरों में 35-40 दिन तक चलता है। ऐसे में अगर सिलेंडर में 10 किलोग्राम गैस भरी जाती है तो यह एक घर में आसानी से करीब एक महीने चल सकता है। इससे उपलब्ध वॉल्यूम संकट के दौरान ज्यादा व्यापक रूप से साझा किया जा सकता है। एग्जिक्यूटिव्स ने बताया कि सरकारी तेल कंपनियां अगर इस प्लान को अमल में लाती हैं तो LPG सिलेंडर्स में नया स्टीकर लगा होगा, जिसमें सिलेंडर में भरी कम गैस के साथ उसी अनुपात में कीमत कटौती का जिक्र होगा। बॉटलिंग प्लांट्स को नाप-तौल से जुड़े अपने सिस्टम को रिकैलिब्रेट करना होगा। साथ ही, कुछ रेगुलेटरी मंजूरियों की भी जरूरत होगी। सरकारी तेल कंपनियों को फिक्र है कि LPG की मात्रा में अचानक कटौती से कंफ्यूजन, विरोध और राजनीतिक प्रतिक्रिया हो सकता है, क्योंकि कई राज्यों में चुनाव करीब हैं। हालांकि, एग्जिक्यूटिव्स ने चेताया है कि अगले महीने सप्लाई कंडीशंस खराब हो सकती हैं, जिससे विकल्प सीमित रह जाएंगे। LPG की उपलब्धता सीमित हो रही है।

एससी बिल्डिंग ...

सुप्रीम कोर्ट ने सचिव जनरल को निर्देश दिया कि इस मामले पर एक नोट तैयार कर सक्षम प्राधिकारी के सामने रखा जाए। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि अगर गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने के लिए कोई वास्तु या संरचनात्मक व्यवस्था नहीं है, तो जरूरी संस्थागत और तकनीकी कदम उठाए जाएं। यह सब संविधान और राज्य प्रतीक के उपयोग से जुड़े कानूनों के अनुसार किया जाए। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि इस प्रक्रिया को तय समय सीमा में लागू किया जाए। इसके लिए करीब 8 सप्ताह का समय सुझाया गया था।

मोदी 100% ट्रम्प...

तो नहीं खरीदेंगे। आप जो हुक्म करेंगे, हम वही करेंगे। राहुल ने वडोदरा में 'आदिवासी अधिकार संवाद' कार्यक्रम में कहा- आदिवासी का मतलब है- हिंदुस्तान के असली मालिक। यहां की 'जल-जंगल-जमीन' आपकी है। लेकिन RSS-BJP एक नया शब्द लेकर आई है- 'वनवासी', जिसका मतलब है कि आप सिर्फ जंगल में रहते हैं। 'जल-जंगल-जमीन' के मालिक नहीं हैं। गुजरात में नगर निगम और जिला पंचायत चुनावों की घोषणा होने वाली है। राज्य विधानसभा का सत्र 25 मार्च को खत्म हो जाएगा। इसके बाद 26 मार्च गुजरात राज्य चुनाव आयोग लोकल बॉडी चुनावों के लिए शेड्यूल का ऐलान कर सकता है। इससे पहले राहुल गांधी पिछले साल 12 सितंबर को जूनागढ़ पहुंचे थे, तब उन्होंनें सभी जिला अध्यक्षों के कार्यक्रम को संबोधित किया था। निकाय चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी के दौरे के बाद कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं के बीच गुजरात आने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

ईरानी पावर...

और वहां अतिरिक्त यूनिट्स का निर्माण भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रविवार रात ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ फोन पर मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष पर चर्चा की।

होर्मुज का रास्ता...

अगर गुलाम साहेब और बीवी की गुलामी नहीं करता तो स्ट्रेट ऑफ होर्मूज हमारे लिए बिना रुकावट के लिए खुला रहता। हमें उनकी शर्तें नहीं माननी पड़ती। खेड़ा ने दावा किया कि ईरान 8 देशों के साथ नेगोशिएट कर रहा है। उन 8 देशों में भारत भी है जो चीन की करेंसी युआन खर्च करके तेल खरीदेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा- PM में जंग शुरू होने पर निंदा करने की हिम्मत नहीं थी। खामेनेई की हत्या पर शोक के दो शब्द नहीं निकले। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के लोकसभा में भाषण की आलोचना की। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में साहिब , बीवी और गुलाब फिल्म का उदाहरण देते हुए PM की तुलना गुलाम से की। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को साहिब और इजराइल प्रधानमंत्री को बेंजामिन नेतन्याहू को बीवी कहा। खेरा ने कहा- जो विश्व गुरु बनने चला था, विश्व चेला बन गया। 23 दिन बाद साहिब और बीवी ने गुलाब को वेस्ट एशिया हालात पर लोकसभा में बोलने की इजाजत दी।

भाजपा 27 सीटों...

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में भाजपा नेताओं ने विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए मीटिंग की। यह मीटिंग मुचिपारा इलाके के एक होटल में हुई और इसमें अलग-अलग जिलों के BJP उम्मीदवार शामिल हुए। इस मौके पर राज्य अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और पार्टी के दूसरे नेता मौजूद थे। केरल के चेंगन्नूर विधानसभा सीट से BJP उम्मीदवार एमवी गोपकुमार ने नामांकन दाखिल किया। उनके साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मौजूद रहे।

70 साल के मौलाना ने मदरसे में किया कुकर्म

मुजफ्फरनगर एसपी बोले- वीडियो में बच्चे से गंदी हरकत करता दिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। यूपी के मुजफ्फरनगर में 70 साल के मौलाना ने मदरसे में 11 साल के बच्चे के साथ कुकर्म किया। किसी ने मदरसे के अंदर मौलाना की करतूत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो बच्चे के परिवार तक पहुंचा तो वो सन्न रह गए। किशोर से पूछताछ की तो उसने अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित ने परिवार वालों को बताया कि मौलाना उसे उर्दू पढ़ाता था। क्लास के बाद किसी काम या साफ-सफाई के बहाने रोक लेता था। फिर दूसरे कमरे में ले जाकर कुकर्म करता था। धमकाता था कि अगर किसी को इस बारे में बताया तो अच्छा नहीं होगा। वीडियो ईद की रात यानी 21 मार्च का बताया जा रहा है। परिजन की तहरीर पर आरोपी मौलाना के खिलाफ POCSO सहित कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। मौलाना को रविवार देर रात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। मामला

जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर शाहपुर थाना क्षेत्र का है। शाहपुर थाना क्षेत्र में स्थित इस्लामिया मदरसा में मौलाना इकबाल (70) पिछले 40 साल से धार्मिक शिक्षा दे रहा है। इसी क्षेत्र का रहने वाला एक 11 साल का किशोर पिछले 5 साल से यहां पढ़ने आता है। आरोप है कि ईद की रात में किशोर मदरसे में ही था। मौलाना ने उस रात भी उसके साथ गंदी हरकत की। इस बीच किसी ने मौलाना की हरकत की वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद किशोर को लेकर पिता थाने पहुंचे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676